रात्री क्लास ओमशांति 12–8–67

सभी सेंटरों प्रति समाचार कि आज मधुबन में 10/12 बच्चों का सेमिनार हो रहा है। इसमें निमंत्रण तो बहुतों का था फिर बहुतों ने लिखा हम भी क्यों न आवें। तो बाबा ने खयाल किया 100/150 आ जाएं। फिर बाबा का विचार आया कि पहले थोड़ों का सेमिनार किया जावे। फिर कुछ रिजल्ट निकली....फिर अक्टूबर में बड़ा सेमिनार करेंगे। आज सवेरे 9बच्चे बापदादा से सेमिनार का उदघाटन किया और समझाया भी मूल बात है गीता पर। गीता शिवबाबा ने सुनाई है। दूसरा पतित–पावन ज्ञान सागर है। चित्र भी ऐसा बनाना चाहिए। ऐसे समझाये बच्चों का मुख मीठा कराय आये। ....दिन बच्चों ने मेहनत की। आपस में प्वाइंट्स निकाली। बच्चों ने एक विचार निकाला। प्रदर्शनी का जो नाम रखा जाता है वह बदली किया जाये या यही रहे। विश्व नव निर्माण प्रदर्शनी अर्थात् नई दुनियां कैसे स्थापन हो रही है। फिर यही नाम पास किया। दूसरा विचार निकला ब्रह्माकुमारियां नाम कोई प्रजापिता,कोई गीता पाठशाला लिखते हैं। नाम एक ही होना चाहिए। ईश्वरीय विश्व विद्यालय। बाबा ने कहा नीचे लिख दो गॉड फादरली यूनिवर्सिटी। आगे भी गवर्मेंट ने एतराज उठाया। फिर लिखो ईश्वरीय विश्व विद्यालय वा गॉड फादरली यूनिवर्सिटी। अर्थ एक ही है। फिर कहेंगे हिंदी में (लिख देते)हो ,अंग्रेजी में क्यों नहीं?सच्ची गीता पाठशाला लिखते हैं तो ब्रह्माकुमारी नाम तो लिखते ही हैं। हर्जा नहीं है। दिन–प्रतिदिन नई2 नामे निकालते हैं। भल आपस में राय कर पास करो। यह नाम हो तो बाबा को हर्जा नहीं है। और बात निकाली कि सभी भाषाओं में चित्र हो। बाबा ने कहा कि भल छपाओ बाबा की मनाह नहीं है। फिर बोला ड्रेस युनिवर्सल होनी चाहिए गोपों की। हमने कहा कि यह तो जैसे कौरवों की कापी करना हो गया। ड्रेस भल कोई भी पहने। बैज लगाय दो। अगर कोई ड्रेस पास करो तो भल करो। दूसरी बात निकली बच्चों ने कहा हम गीता जयंती मनावें धूमधाम से। अपना सप्ताह मनावें। यूं तो अपनी राजाई नहीं है ,जो हम यह सब चलावें। फिर भी बाबा ने कहा भल आपस में राय करो। बाबा तो यहां बैठे हैं। करना तो बच्चों को है। सिद्ध करना है गीता का भगवान कौन?फिर बाबा ने कहा कि इस पर कान्फ्रेंस बुलाओ। जो भी गीता वाले बड़े2 हैं। बहुत गीतायें बनाते हैं। श्लोक का अर्थ सभी ने उल्टा–सुल्टा अपना किया है। तो पहले सिद्ध यही करना है कि गीता कृष्ण ने नहीं शिव ने सुनाई। उनके चित्र बनाओ। दोनों के चित्र,दोनों के आक्युपेशन। फिर शिवबाबा कहते हैं जज करो राइट क्या है,रांग क्या है। पतित–पावन पानी की गंगायें या मैं ज्ञान सागर। उनसे दुर्गति होती है। उनसे सदगति होती है। तो मनुष्य अच्छी रीति समझें। मुख्य बातें लिखो फिर कहा किताब बनावें। शिवबाबा कहते हैं अपन को आत्मा समझ मामेकम् याद करो तो सतोप्रधान बन जावेंगे। भल छोटा किताब बनावें। किसके लिए बोला.....बनावें। एक वकील तो है योगयुक्त भी है। याद की यात्रा पर है। कहां उन प्वाइंट्स को याद करे। क्लायन्स के लिए कहां इन बातों को उठावें। कहा है हम बनावेंगे। मतलब। तो बच्चे ने सारा दिन बहुत बातें निकाली। फिर बाबा को बुलाया। बाबा ने सब सुना और बताया। जोर रखा हमको बाम्ब चाहिए। सेकेंड में जीवनमुक्ति का बाम्ब है यह गीता के भगवान की प्वाइंट। और पतित–पावन ज्ञान सागर है न कि वह समझते हैं सारी पृथ्वी के नीचे गंगा ही गंगा है। तो तुम यह लिखा पतित–पावन एक ही है। यह मुख्य तीन प्वाइंट्स डालकर किताब बनाओ। हर चित्र में भगवानुवाच हो। यह भी लिखा भगवान कहते हैं मेरी कितनी ग्लानी करते हैं। कच्छ–मच्छ में ठोंक देते हैं। आजकल तो ....एक तरफ शिवोहम कहते हैं दूसरे तरफ जो शंकराचार्य बैठ शिव की पूजा करते हैं। पुजारी फिर पूज्य कैसे हो सकता है?पुजारी पूज्य को माथा टेकते हैं। पुजारी को कैसे माथा टेकेंगे?ऐसी प्वाइंट डालो तो सर्विस में काम में आवे। और देहली में सबसे अच्छा म्यूजियम बनाओ। विश्व में शांति लाने का म्यूजियम या और कोई ना। जो कर्तव्य है नाम डालना हर्जा नहीं। अच्छे2 को निमंत्रण दो। विश्व में शांति तो बाप का ही काम है।

वो ही पवित्रता का सागर, सुख का सागर है। दूसरी राय निकाली मण्डप एल्युमीनियम का बने। 16हजार खर्चा होगा। बाबा ने कहा भल हम सैक्शन.....। सहज होगा। फिर कार भी मिलेंगे। जैसे गांव2 की सर्विस करेंगे। कार के कैरियर पर मण्डप रख देंगे। बरसात भी नहीं पड़ेगी। जैसे सर्कस वाले चक्र लगाते हैं। भल तुम करो। टेंट में भी बरसात नहीं आती है। ऐसे2 प्वाइंट आज के दिन में बच्चों ने 10घंटा बैठ निकाली है। भारत के सेवा लिए क्या2 उपाय निकाले। आज यह निकाली है। फिर कल शुरू करेंगे। सभी सेंटर्स के बच्चों लिए यह सर्विस कर रहे हैं। कल का समाचार फिर कल सुनावेंगे। सेमिनार को प्रबंध जिसने किया है कमाल है उनकी। बहुत मेहनत की है। सब प्वाइंट्स बाम्बे से ही निकाल(निकल) आये हैं। बाप कहते हैं बच्चे तुम बहुत2 पदम भाग्यशाली हो। जानते हो बाप पढ़ाते हैं और जहां डॉग विचज़ पढ़ाते हैं वह क्या बनावेंगे?बाप कहते हैं मैं इस पढ़ाई से गॉड गाडेज की राजाई फिर से स्थापन कर रहा हूं। तुमको अविनाशी सर्जन बनाता हूं। एक ही रुहानी इंजेक्शन से स्वर्ग के मालिक बन जावेंगे। उस पढ़ाई से डॉक्टर बनकर क्या करेंगे?इनसे तो तुमको विश्व का मालिक बनाता हूं। ज्ञान अंजन सदगुरू दिया.....तुमको सारे विश्व का आदि,मध्य,अंत का नालेज देता हूं। मनुष्य 84जन्म कैसे लेते हैं यह भी जानते हो। इस मृत्युलोक का तो मौत सामने खड़ा है। तुम काल पर जीत पहनते हो। वहां अकाले मृत्यु आवेगा नहीं। ऐसी पढ़ाई छोड़ कहे कि मैं डॉक्टरी पढ़ूंगी। मौत सामने खड़ा है। तुमको भगवान विश्व का मालिक बनाते हैं वह पसंद नहीं आता है। यह तो हज्जाम है। जो कहते हम तो यह करेंगी। बेहद के बाप का.....मानते हैं। भगवानुवाच मैं तुमको अपने से भी उंच बनाता हूं। मैं तो सिर्फ मूलवतन में रहता हूं और पतित मूत पलीती तन में आता हूं। स्वर्ग भी नसीब में नहीं है। तो तुम विश्व के मालिक बनते हो। महान पदम भाग्यशाली भी यहां तो महान कमबख्त भी यहां देखो। हम यह करुंगा विलायत में जाय यह बनूंगा। अरे, विलायत आदि रहेंगे नहीं। इस पढ़ाई में लग जाओ। कन्याओं को तो बाबा बहुत उठाते हैं। राजाओं को जाकर समझाओ। तुम डबल सिरताज थे। फिर ऐसे सीढ़ी उतर सिंगल ताज वाले बने। अब फिर बाप आये हैं। कहते हैं मामेकम याद करो। ऐसे2 राजाओं को छोटी बच्ची बतावे तो कमाल कर देंगे। कहेंगे तुम हमारी बच्ची बनेंगी?अरे, हमको स्वर्ग की बादशाही मिलती है। हम यह क्या करेंगे?तो बाप कहते हैं माया से खबरदार रहो। चूहा कैसे काटते हैं?फूंक देते मांस खाते रहते हैं। रावणराज्य में रावण ने तुम्हारा खून चूस लिया है। क्या बनाय दिया है। अब बाप तुमको विश्व का मालिक बनाते हैं। बाप कहते हैं कल राज्य दिया था सब गंवाय दिया है। अब फिर तुमको विश्व का मालिक बनाते हैं। कल्प2 बनाते हैं। यह सेमिनार भी कल्प2 किया होगा ना। खुशी का पारा चढ़ जाना चाहिए। बाप पढ़ाते हैं। भगवानुवाच मैं राजाओं का राजा बनाता हूं। सिर्फ नाम बदल दिया है। कृष्ण गोरा था तब तो ज्ञान नहीं देंगे। सांवरा है तब ज्ञान देते हैं। सांवरा कृष्ण अभी कहां है?(सामने बैठे हैं।) बाप को तो याद है हम टीचर हैं और स्टूडेंट भूल जाते हैं। इसलिए बाप कहते हैं तीन नाम रखे हैं– बाप,टीचर,गुरू। बाप भूलो तो टीचर याद करो,गुरू याद करो। तुम बहुत वंडरफुल हो। बाबा को बहुत खुशी होती है। छोटी2 कुमारियां कान्फ्रेंस में बैठ समझावें। कुमारियों (कुमारियां) क्यू अंदर घुस जाए(जाएं)कान्फ्रेंसों में एक ही ड्रेस में। ऐसा वंडर कर दिखावे। बड़ों को बुलाय इन छोटी2 को अंदर ले जाओ। कर सकते हैं। कुमारियों को ही हम विलायत में भेजूं। अंग्रेजी में समझावें तो कहेंगे सच्ची2 स्प्रीचुअल नालेज देने वाली तो यह हैं। उंच पद पाना है ना। बाप यह बनाते हैं तो पुरुषार्थ भी करना चाहिए। शिवदत्त भी कहते हैं हम तो अब पुरुषार्थ करने से नारायण बनूंगा। नारायण बनने की ही कथा है। लक्ष्मी बनने की कथा थोड़े ही है। बाबा कहते हैं राजाओं का राजा बनाता हूं। ऐसे थोड़े ही कहते रानियों का रानी बनाता हूं। है ही सत्यनारायण की कथा। अच्छा, गुडनाइट।